CIVIC ACTION TEAMS

Coronavirus CivActs Campaign presents

FAIR FACTS

अंक ११६

१२ ।०४ ।२०७८

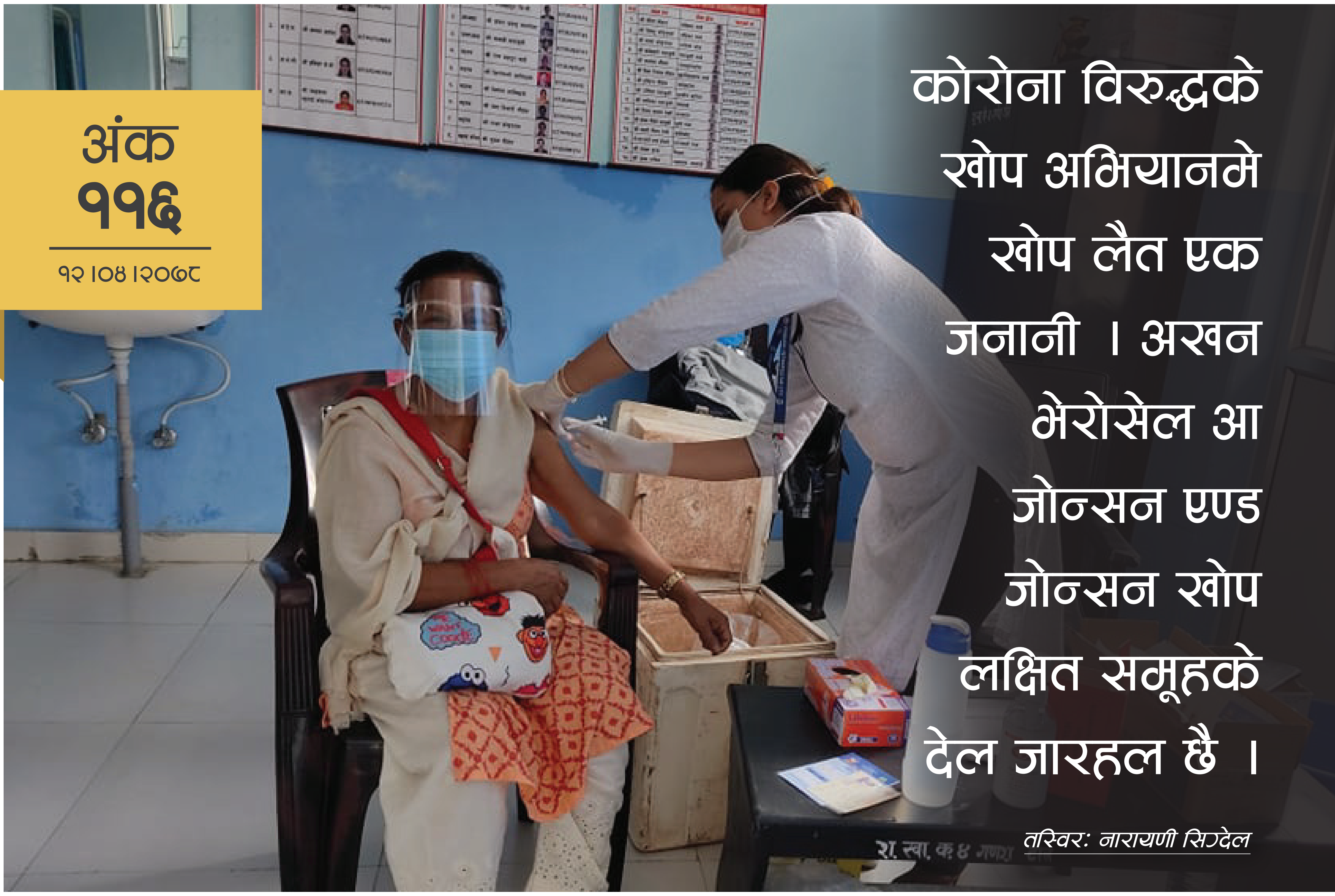

कोरोना विरुद्धके खोप अभियानमे खोप लैत एक जनानी । अखन भेरोसेल आ जोन्सन एण्ड जोन्सन खोप लक्षित समूहके देल जारहल छै ।

तस्विर: नारायणी सिग्देल

निषेधाज्ञा ढिला भेला संगे संक्रमितके संख्या बढैत । स्वास्थ्य मापदण्ड पालना नै केलापर तेसर लहर आबके चेतावनी ।

थप विवरणहरुको लागि यहाँ क्लिक गर्नुहोस्

अई अंक भित्तर

खोप लगाईबते देरी पूर्ण रुपमे जोखिम हैठ जेतै?

खोप लगेलाके १४ दिनतक खोप काम नै करैछै, १४ दिनके बाद मात्रे ई अपन असर देखाब लगैछै ।

कि अन्तर्राष्ट्रिय समुदायसभ नेपालके कोभिड विरुद्ध लड्मे यथोचित सहयोग करहल छै ?

आर्थिक वर्ष २०७७/७८ मे नेपाल बहुतोरास संगठनसभ संगे द्विपक्षीय तथा बहुपक्षिय कल कुल १६ खर्ब ७० अर्बके सम्झौता केलक ।

अपन परिवारके प्रेम त्यागीक दोसरके सेवामे खटवला स्वास्थ्यकर्मी

एको बेर सहि लेकिन बेटीके भेट पावितौ जेना लगैत छल, लेकिन एकटा स्वास्थ्यकर्मी भेलाके बाद एते कमजोर नै होबके चाही से हुनका लगलै।

फ्याक्ट सिट

कि अन्तर्राष्ट्रिय समुदायसभ नेपालके कोभिड विरुद्ध लड् यथोचित सहयोग कऽरहल छै ?

विश्व बैंक

कम आम्दनी भेल कोभिड प्रभावित जनसंख्याके उत्थान तथा सुरक्षा आ दीर्घकालिदन विकास लक्ष्यसभ

१७ अर्ब ७८ करोड (ऋण)

जर्मनी सरकार

आपतकालीन कोभिड -१९ सहयोग कार्यक्रम

१ अर्ब ५४ करोड (अनुदान)

विश्व बैंक

ग्रामीण उद्यम आ आर्थिक विकास परियोजना

९ अर्ब ३० करोड (ऋण र अनुदान)

विश्व बैंक

वित्तीय क्षेत्रके उत्थानके लेल नियामक उपायसभ सुधार करत

२४ अर्ब (ऋण र अनुदान)

कोभिड-१९ आपतकालिन आ स्वास्थ्य प्रणाली व्यवस्थापन परियोजना

७ अर्ब ५० करोड (ऋण)

आई एफ ए डी

आई एफ ए डी - निजि लगानीके माध्यमसँ कोभिड-१९ स्वास्थ्यलाभ सहयोग

५० करोड (अनुदान)

आर्थिक वर्ष २०७७/७८ मे नेपाल बहुतोरास संगठनसभ संगे द्विपक्षीय तथा बहुपक्षीय कऽल कुल १६ खर्ब ७० अर्बके सम्झौता केलक । अई मे सँ, ३.३८% मात्रे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रुपमे कोभिड महामारीके लेल विनियोजित भेलै । करिब २५ अर्ब ऋणके रुपमा प्राप्त भेल छलै त १ अर्ब ५९ करोड अनुदानके रुपमे प्राप्त भेल छलै । अई बाहेक, आरो ३३ अर्ब ऋण आ अनुदानके रुपमे प्राप्त भेल छलै । समग्रमे, आर्थिक वर्ष २०७७/७८ मे हस्ताक्षर कएलगेल कूल विदेशी कोष सम्झौताके २.६% मात्रे अनुदान छै । कि अन्तर्राष्ट्रिय समुदायसभ विकाशोन्मुख देशसभके कोभिड-१९ के प्रतिकार्यके लेल सक्षम छै कहिक सुनिश्चित कर आरो योगदान कर सकैय ?

स्रोत: https://new.mof.gov.np/uploads/document/file/Commitments-2021_20210425081847.pdf

हल्ला आ तथ्य

हर
देश दिस त खोप लगेलाके बाद त मास्क लगाब नै परैछै कहिक समाचार सुनमे आबैत छै । वास्तवमे खोप लगेलाके बाद तुरन्ते पुरा जोखिम खतम भऽजाईछै ?

ॅ । विश्व स्वास्थ्य संगठनके अनुसार, एकेटा मात्रा मात्रे लगाव परवला खोपके सन्दर्भमे खोप लगेलाके १४ दिनतक खोप कोनो काम नै करै छै, १४ दिनके बाद मात्रे ई अपन असर देखाब लगैछै । दू मात्रा लगाव परवला खोपके सन्दर्भमे एकरा काम करके लेल दू मात्रा खोप लगेने होबके चाही । खोपसँ जोखिम होब सँ बहुते बचेलाके बादो पूर्ण रुपमे सुरक्षित होबके सुनिश्चितता नै होईछै । तै स्वास्थ्य मापदण्ड पालना केनाई उपयुक्त हेतै ।

Source: https://cutt.ly/vm48oQd

कोभिड - १९ विरुद्धके खोप १० महिना मात्रे काम करतै कहादन । कि १० महिनाके बाद फेर खोप लगाब परतै ?

कोभिड - १९ विरुद्धके खोपके विकास भेला बहुते समय नै भेल छै । विश्व स्वास्थ्य संगठनके अनुसार, एक बेर कोभिड - १९ विरुद्धके खोप लगेलाके बाद एकर प्रभाव कतेक लम्वा समयतक रहतै तै विषयमे अध्ययन जारी छै । अखने एकर प्रभाव कते हेतै कहिक ठोकुवा कह सकके अवस्था नै छै । लेकिन, अखन तक उपलब्ध खोपसभ कोभिड - १९ विरुद्ध प्रभावकारीए देखलगेल छै ।

Source: https://cutt.ly/Nm49ros

वैदेशिक रोजगारीमे जायवला आदमीके खोप लगेलाके बाद फेर प्रमाणिकरण कर परै छै कहादन । कत करबै प्रमाणिकरण ?

वैदेशिक रोजगारीमे जायवला आदमीके ऊसभ जायवला देशमे मान्यता देने खोप नेपालमे भेल अवस्थामे खोपके प्राथमिकतामे राखलगेल छै । लेकिन, विदेश जायके लेल खोप लगेने छि त खोप कार्ड मात्रे भऽलक नै पुगतै । अईके लेल खोप कार्ड प्रमाणिकरण कराब परैछै । प्रमाणिकरण करके लेल शुक्रराज ट्रपिकल तथा सरुवा रोग अस्पताल, टेकु, निजामती अस्पताल, बानेश्वर, पाटन अस्पताल, पाटन आ सशस्त्र प्रहरी अस्पताल बलम्बुके तोकलगेल छै ।

Source: https://cutt.ly/Fm41A27

कोभिड - १९ खोपके माग

कोभिड - १९ खोपके माग सम्बन्धी नागरिक विरोध

COCAP

माघ २०७७

२६

विरोधके घटना दर्ता

अषाढ २०७८

श्रावण १०, २०७८ तक
कोभिड विरुद्धके खोपक
६,५८२, ५८० मात्रा प्राप्त भेलै

श्रावण १०, २०७८ तक
१,३९८,१७८ आदमीसभ
पूर्ण खोप लगेलक

७,४००,००० डोज कोभिड - १९को खोप
भविष्यमा प्राप्त हुने पुष्टि भएको छ ।

स्पष्टिकरण: ई आँकडा अनलाईन मिडिया, राष्ट्रिय दैनिकसभ, जिला स्तरमे प्रकाशित होबवला पत्रपत्रिकासभ आ नेपाल प्रहरीके वेवसाईटसँ संकलन कल एकिकृत कएलगेल छै । तै, अई सँ वास्तविक आँकडा सँ बेसी निर्धारित समयमे सम्बन्धित घटनाके प्रवृतिके उजागर करैत छै ।

नेपालमे पहिलो चरणके कोभिड-१९ खोप माघ ८, २०७८ मे एलै । तेकर तुरन्त बाद, निष्पक्ष खोप वितरण आ व्यवस्थापनके लेल माँग करैत विरोधसभ भेलै । सरकार जोखिमके आधारमे खोप वितरणके लेल बहुतोरास चरणसभ बनेलक लेकिन धिरेधिरे पक्षपातके कारण ऊ नियमसभ प्रभावकारी होब नै सकलै । काठमाडौंमे खोप निष्पक्ष रुपमे वितरण नै भेल हल्लासभ बाहर एलापर, विरोधसभ आरो उग्र रुप लेलक । मानव सम्पर्कमे बहुते आववला क्षेत्रके आदमीसभ जेना पर्यटन, शिक्षा, सेवा निकायसभ ईतिसभ सेहो खोपके माँग करैत रस्तापर आएल अछि । अखन काठमाडौं महानगरपालिकासँ १८ वर्ष सँ उपरके सबके खोप लगारहल अछि । कोनो नियम विना प्राथमिकतामे रहल समुह अखनो खोप नै पाव सकैय, परिणाम स्वरुप नेपालके कोभिड नियन्त्रण केनाई आसान नै हेतै । कि सरकारके फेर खोपके लेल नियमसभ लागु कर परतै ? कि अखन भलरहल "पहिले आबवलाके पहिल प्राथमिकता" देबवला व्यवस्थे बढिया विकल्प छै ?

Source: https://nepalmonitor.org/

श्रमिक संगी

Shramik Sanjal

मध्यपूर्वी देशसभ आ मलेशिया जायके लेल खोप कार्ड प्रमाणीकरणके संगे परराष्ट्र मन्त्रालय परिषदके छाप अनिवार्य

कुवेत:

- नेपाली राजदूतावासके पहलमे रेड क्रिसेन्ट सोसाइटिसँ स्वास्थ्य उपकरण नेपालके हस्तान्तरण
- कुवेतमे निर्विरोध रुपमे एनआरएन चुनाव सम्पन्न
- ईदके तेसर दिन पारिक ४५०० आप्रवासीसभके सम्बन्धित देश फिर्ता पठाएलगेल

कतार:

• • कतारमे ३६७ कोई मास्क नै लगेला सँ, ७७ कोई भौतिक दुरी कायम नै केला सँ आ २ कोई एतराज एप प्रयोग नै केलाके कारण सँ पकराएल अछि । हुनकासभके कानून उल्लंघन केलापर बेसीमे ३ वर्ष तकके जेल या २ लाख रीयाल जरिवाना होबके सम्भावना छै ।

www.facebook.com/shramik.sanjal सँ आँहा प्रत्येक रविदिन, बुधदिन आ शुक्रदिन साँझमे युएई समय UAE Time (8:00 PM), Qatar, KSA, Kuwait (7:00 PM) Malaysia (12 Midnight) मे हमरासभके प्रत्य देख सुन सकैत छी।

LIVE

खिस्सा किनाराके

अपन परिवारके मोह त्यागीक दोसरके सेवामे खटवला स्वास्थ्यकर्मी

सुनीता राना एकटा नर्स छथि । ऊ सेती प्रादेशिक अस्पतालमे कार्यरत छथि । हुनकर ३ वर्षके बेटी सेहो छै । हुनकर घरवला कामके सिलसिलामे काठमाण्डौमे रहैत छैथ । अखन ऊ बेटीके नैहरके जिम्मामे छोडने छथि । ऊ दिनराती रोगीसभके सेवामे खटैत रहलिह । सुरक्षा मापदण्ड त अपनौलिह, लेकिन दशमी सँ किछ दिन पहिले हुनकामे सेहो कोरोनाके लक्षण देखेलै । एकदिस बेटी, दोसर दिस अपने बिमार आ अपने अकेले रहलापर हुनका बहुते दिक्कत भेलै । किछ दिन घरेमे एकान्तवासमे रहलाके बाद ऊ संक्रमण मुक्त भेलिह ।

महिनौ दिन तक सेहो बेटीके भेट नै पेला के छलपटी हुनकामे छलै । एको बेर सहि बेटीके भेट पावितौ तेना लगै छलै, लेकिन एकटा स्वास्थ्यकर्मी भेलाके बाद एतेक कमजोर नै होबके चाही कहिक ऊ फेर नियमित रोगीसभके सेवामे खटलिह । सबके आब त कोरोना खतम भगेलै जेना लागल छलै । लेकिन फेर ओही समयमे दोसर लहर आईग जका फैललै । अई बेर ऊ अपना कारण सँ परिवारमे कोई भी जोखिम मे नै परे कहिक बेटीके घरवला संगे काठमाण्डौ पठा देलखिन ।

अइ बेर सेहो ई कोरोना हुनकर परिवारके नै छोडलकै । हुनकर घरवला संक्रमित भइगेलाह । अस्पतालमे एकेदिन ४/५ कोइ रोगीके मृत्यु ऊ अपने आँखी आगु देखने छलिह । लेकिन ऊ अईबेर सेहो अपन घरवलाके भेट नै सकलिह । भाग्यवश हुनकर घरवला सेहो संक्रमण मुक्त भेलाह । ऊ लेकिन, लगातार रोगीसभके सेवामे खटैत रहलिह ।

> **सुनिता जेहन स्वास्थ्यकर्मी दोसरके जान बचाव परिवारके मोह त्यागीक नागरिकके सेवामे खटल छथि त, अपनासभके त अपन सुरक्षा केला सँ मात्रे भजेतै । अपनासभ किया जिम्मेबार नै बनव ?**

भोइसेस आउट लाउड - हमर बात

शंकर बास्तोला

वडा अध्यक्ष,
पोखरा महानगरपालिका वडा नं. ४

कहियोकाल तीन तहसभके नीति नियम मेल नै खेने अछि कि जेना हमरम लगैय । काम कर संघीय सरकार प्रदेशके, प्रदेश स्थानीय सरकारके आ स्थानीय सरकारके वडाके जिम्मा देबके चाही छलै । लेकिन संघीय सरकार आ स्थानीय सरकार अपना अपना तरिका सँ चलला सँ आ वडाके चलायमान बनाव नै सकल छै । जैके कारण सँ श्रोत साधनके अभाव भेल छै । अखनके अवस्थामे विकास निर्माण सँ बेसी स्वास्थ्य सँ सम्बन्धित कामके प्राथमिकतामे राखपरत से देखाईत छै । अखनके महामारी कते समय लम्बा चलतै से निश्चित नै भेला सँ सब तहके समन्वय कलक आगु बढपरत से लगैत छै।

कोरोना महामारीके दोसर लहर एलापर सेहो अवस्था पहिल लहर जहिना भेलै, कियाकि हमरासभके तैयारी सेहो किछ नै छलै । हमसभ दोसर लहर एतै कहिक सोचनहु नै छलौ । दोसर लहरमे सहकर्मी मे सँ सब सँ पहिले हमरे कोरोना पोजिटिभ देखेलै । अस्पतालमे स्वास्थ्यकर्मीके अभाव छलै । तै हम संक्रमित भेलाके बादो आरो संक्रमितके ईलाजमे खटलौ । तै सँ अपना आ रोगीसभके सेहो हौसला देलकै । फेर तेसर लहर एतै कहिक हल्ला छै । तै अपनासभ सबकोई अपना अपना जगहसँ तैयारी अवस्थामे रहनाई जरुरी छै ।

यलिशा खड्का

स्टाफ नर्स,
भेरी अस्पताल

FAIR FACTS

is a product of:

CIVIC ACTION TEAMS

फेयर फ्याक्ट्स एकटा खुला अभियान छै, जै सँ नागरिक, नेतृत्वकर्ता आ बहुतोरास निकायके एक सुत्रमे जोडैत अछि । साथसाथे, अई सँ कोभिड - १९ सम्बन्धी गलत सूचना आ हल्लासँ निमन्त्रीत करवला समस्याके तथ्यपर आधारित जानकारीके माध्यमसँ समाधान करैत छै । कोरोना भाईरस सँ आमन्त्रीत अखनके अवस्थामे सेहो स्वास्थ्य सेवा, जीविकोपार्जन आ सामाजिक सुरक्षा सम्बन्धी विषयमे जल्दी आ विश्वसनिय सूचनाके जरुरतके जोड् दैत छै । तै सँ सेहो हमसभ स्पष्ट तथ्यके माध्यम सँ परिवर्तनके संबाहक अभियन्ताके एकटा मजबुत संजाल बनाक महामारीके समयमे नै सुनल खिस्सा आ आवाजसभके शक्तिके निष्पक्ष आ न्यायोचित प्रतिकार्यमे उपयोग कर सहयोग करैत छी।

कोभिड - १९ मात्र स्वास्थ्यसँ सम्बन्धित संकटमात्र नै छै, अई सँ शासन प्रणालीके जवाफदेहिता आ निष्ठाके सेहो प्रभावित करैत छै । तै सँ कोरोना भाईरसके हराबके लेल हमसभ तथ्यके खोजी करैत छी, जरुरी जानकारी प्रसार करै छी आ अईके लेल बृहत संजाल बनाबैत छी ।

Brought to you by:

accountabilitylab communities

DISCLAIMER

अई अंकमे समेटलगेल हल्ला, सवाल तथा सूचनासभ, बहुतोरास संस्था तथा व्यक्ति, नेपाल सरकार स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय आ विश्व स्वास्थ्य संगठनके वेबसाईट, सामाजिक सञ्जाल, ७ टा प्रदेशमे रहल कम्युनिटी फ्रन्टलाईनर्स आ सिभिक एक्सन टिम विगत एक सप्ताहमे बहुतो आदमीसभसंगेके प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष संवादसँ संकलन कएलगेल छै । विषयके महत्व, सान्दर्भिकता आ तीव्रताके ध्यान दलक हल्ला, सवाल तथा जिज्ञासासभ छनौट कएलगेल छै । अई अंकमे समेटलगेल जानकारी बुलेटिन प्रकाशित भेल मिति तक सत्य छै ।

REACH OUT TO US ON

@CivicActionTeams

@civacts

@CivActs

Civic Action Teams

/accountability_lab

Email: civactsnp@accountabilitylab.org

Phone: 9851203219